



Literacy for a Billion

Movie: Geet

Year: 1970

Song: Kya Hai is basuri mein

Lyricist: Prem Dhawan

क्या है इस बाँसुरिया में
जो मुझमे नहीं सावरिया
कभी होठों से मुझे भी लगा ले
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के
मैं तो गाऊँ
ओ मैं तो गाऊँ तेरे गीत मेरे मीत
सारे जग के भुलाई के
कभी होठों से मुझे भी लगा ले
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के

ओ...

तोरे संग नेहा लागा तोरे रंग राती
तोरे संग नेहा लागा तोरे रंग राती
बन बन द्वारे द्वारे फिरू मदमाती
हो तुझमे ही
तुझमे ही समा गई मैं
तेरे पास आई के

कभी होठों से मुझे भी लगा ले
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के

हो...

सारा जग जान गया
राधा भई श्याम की
सारा जग जान गया
राधा भई श्याम की
छेडे तेरा नाम लेके
सखियाँ सारे गाँव की
हो छलिया तू ने
छलिया तुने सुध ना लीनी बावरी बनाई के
कभी होठों से मुझे भी लगा ले
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के
बाँसुरी बनाई के
हो बाँसुरी बनाई के

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.